कवायद

तीन जिलों में प्लेज पार्क के लिए 17 करोड़ जारी, आठ जिलों में बनने हैं पार्क

प्लेज पार्कों के निर्माण ने पकड़ा जोर

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्लेज पार्क और फ्लैटेड फैक्टरी की अवधारणा उद्यमियों को रास आ रही है। इसी का नतीजा है कि तीन जिलों में मांग के आधार पर प्लेज पार्कों का निर्माण तेज हो गया है। तीन पार्कों के लिए करीब 17 करोड़ रुपये सरकार ने जारी कर दिए हैं। पांच अन्य जिले लाइन में हैं। वहीं, फ्लैटेड फैक्टरी भी उद्यमियों को पसंद आ रही है। निर्माणाधीन फ्लैटेड फैक्टरियों की 60 फीसदी इकाइयों की एडवांस बुकिंग हो चुकी है। इसे देखते हुए जल्द अन्य शहरों में भी फ्लैटेड फैक्टरी लॉन्च करने की तैयारी है।

राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास के लिए उद्योगों को भूमि उपलब्ध कराए जाने के लिए प्रमोटिंग लीडरशिप एंड इंटरप्राइज फॉर डेवलपमेंट ऑफ ग्रोथ इंजन्स (प्लेज) पार्क योजना पेश की है। यह एक तरह से निजी जमीन पर इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करने की योजना है। 10 से लेकर 50 एकड़ तक जमीन पर प्लेज पार्क विकसित किया जा सकता है। इंडस्ट्रियल पार्क में जमीन, सड़क, गेट, बाउंड्री, सीटीपी आदि बनाने के लिए सरकार 50 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से लोन देगी। इस अवधारणा के अंतर्गत पहले चरण में अलीगढ़, कानपुर देहात और सहारनपुर में प्लेज पार्कों का निर्माण किया जा रहा है।

अलीगढ़ में हार्डवेयर प्लेज पार्क की स्थापना की जा रही है। इसकी कुल लागत 8.81 करोड़ रुपये है और 3.05 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

कानपुर देहात में 7.22 करोड़ की लागत से केमिकल व फर्टिलाइजर प्लेज पार्क तैयार हो रहा है। इसके लिए 2.75 करोड़ जारी हो चुके हैं। सहारनपुर में हैंडीक्रॉफ्ट प्लेज पार्क पर 22 करोड़ खर्च होंगे। इसके लिए 10.64 करोड़ जारी हो चुके हैं। तीनों पार्कों के लिए करीब 17 करोड़ दिए जा चुके हैं। प्लेज पार्कों को लेकर उत्साह देखते हुए झांसी, हापुड़, संभल, बाराबंकी और उन्नाव में भी तैयारी की जा रही है।

फ्लैटेड फैक्टरी की आधी से ज्यादा इकाइयां बिकीं

फ्लैटेड फैक्टरी भी बनी छोटे उद्यमियों की पसंद

महंगी जमीन खरीदकर फैक्टरी डालने की तमन्ना पूरी न होने से मायूस उद्यमियों के लिए फ्लैटेड फैक्टरी उम्मीद की किरण बन गई है। प्रदेश में पहली बार आगरा और कानपुर में फ्लैटेड फैक्टरी की अवधारणा पेश की गई। इसे उद्यमियों ने हाथोंहाथ लिया है। आगरा में लगभग 22 हजार वर्गमीटर जमीन पर 40 फ्लैटेड फैक्टरी बनाई जा रही हैं। प्रथम चरण के लिए करीब 27 करोड़ रुपये केंद्र और राज्य सरकार संयुक्त रूप से देंगी। अभी ये इमारत निर्माणाधीन है लेकिन 26 इकाइयां बिक चुकी हैं। पहले चरण में कानपुर में दादानगर में 25 करोड़ रुपये की लागत से आठ हजार वर्गमीटर में फ्लैटेड फैक्टरी बन रही है। यहां 70 फ्लैटेड फैक्टरियां तैयार होंगी। इनमें से अभी तक 41 बिक चुकी हैं।